

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II - खण्ड 3--उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 478] नई दिल्ली, गनियार, मयम्बर 17, 1979/कार्तिक 26, 1901 No. 478] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1979/KARTIKA 26, 1901

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकल्पन के रूप में रखा जा सर्वा।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

अधिस्चना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1979

का. आ. 738(अ) . — केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) अधिनयम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) हारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है, ''विधि विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) अधिकरण'' गठित करती है जिसमे एकमात्र गोहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीक श्री न्यायमूर्ति किरणभय लाहिरी होंगे।

फा. सं. 3-14026/2/79-एन.**६**.(1)]

पी. पी. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th November, 1979

S.O. 738-(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice Kiranmay Lahiri, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. III-14026/2/79-NE(I)]

P. P. SHRIVASTAV, Jt. Secy.